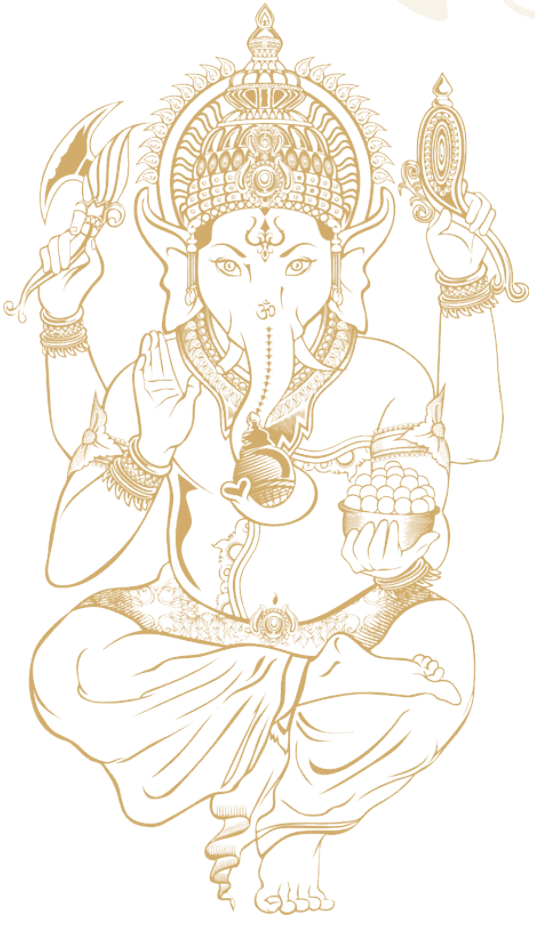

Kiran Lata Bharti

24 May 1984

02:49 AM

Budaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881022

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23-24/05/1984**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:49:09 घंटे**
इष्ट	53:42:20 घटी
स्थान	**Budaun**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:02:00 उत्तर
रेखांश	79:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:35:37 घंटे
वेलान्तर	00:03:18 घंटे
साम्पातिक काल	18:42:17 घंटे
सूर्योदय	05:20:13 घंटे
सूर्यास्त	19:00:40 घंटे
दिनमान	13:40:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:15:50 वृष
लग्न के अंश	21:14:55 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	21:14:55	501:50:49	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			वृष	09:15:50	00:57:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	21:49:46	11:52:40	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल	व		तुला	22:48:20	00:19:33	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			मेष	14:18:23	01:09:56	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		धनु	18:26:05	00:04:20	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र		अ	वृष	03:01:14	01:13:43	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि	व		तुला	17:57:05	00:04:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		वृष	12:58:16	00:00:06	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	12:58:16	00:00:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	18:18:10	00:02:26	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप	व		धनु	07:08:26	00:01:23	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	06:14:34	00:01:21	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	16:04:40	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:04

लग्न-चलित

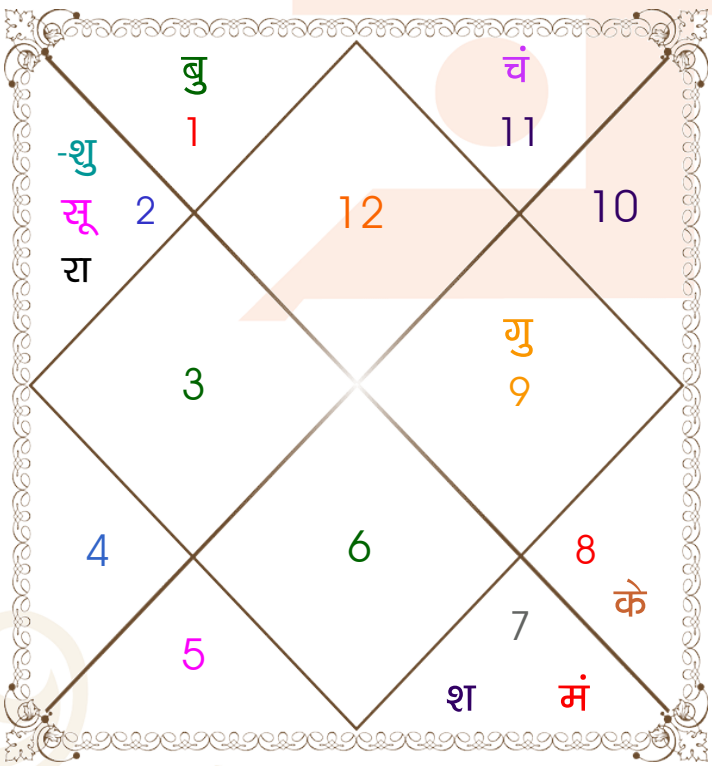

चन्द्र कुंडली

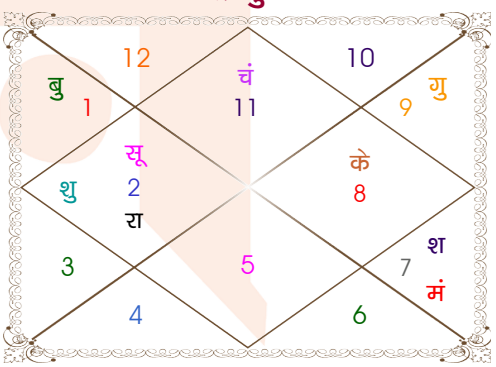

नवमांश कुंडली

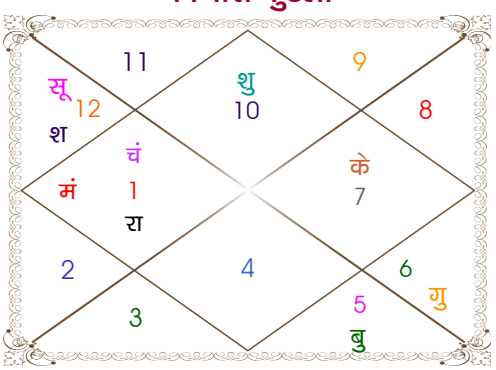

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 9 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/05/1984		14/03/1998		14/03/2017		14/03/2034		14/03/2041	
14/03/1998		14/03/2017		14/03/2034		14/03/2041		14/03/2061	
	24/05/1984	शनि	17/03/2001	बुध	10/08/2019	केतु	10/08/2034	शुक्र	13/07/2044
शनि	12/11/1986	बुध	25/11/2003	केतु	06/08/2020	शुक्र	10/10/2035	सूर्य	13/07/2045
बुध	17/02/1989	केतु	03/01/2005	शुक्र	07/06/2023	सूर्य	15/02/2036	चंद्र	14/03/2047
केतु	24/01/1990	शुक्र	04/03/2008	सूर्य	13/04/2024	चंद्र	15/09/2036	मंगल	13/05/2048
शुक्र	24/09/1992	सूर्य	14/02/2009	चंद्र	12/09/2025	मंगल	11/02/2037	राहु	14/05/2051
सूर्य	13/07/1993	चंद्र	15/09/2010	मंगल	09/09/2026	राहु	02/03/2038	गुरु	12/01/2054
चंद्र	12/11/1994	मंगल	25/10/2011	राहु	29/03/2029	गुरु	06/02/2039	शनि	14/03/2057
मंगल	19/10/1995	राहु	31/08/2014	गुरु	05/07/2031	शनि	16/03/2040	बुध	12/01/2060
राहु	14/03/1998	गुरु	14/03/2017	शनि	14/03/2034	बुध	14/03/2041	केतु	14/03/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/03/2061		14/03/2067		14/03/2077		13/03/2084		15/03/2102	
14/03/2067		14/03/2077		13/03/2084		15/03/2102		00/00/0000	
सूर्य	01/07/2061	चंद्र	12/01/2068	मंगल	10/08/2077	राहु	24/11/2086	गुरु	02/05/2104
चंद्र	31/12/2061	मंगल	12/08/2068	राहु	28/08/2078	गुरु	19/04/2089	शनि	25/05/2104
मंगल	08/05/2062	राहु	11/02/2070	गुरु	04/08/2079	शनि	24/02/2092		00/00/0000
राहु	01/04/2063	गुरु	13/06/2071	शनि	12/09/2080	बुध	12/09/2094		00/00/0000
गुरु	19/01/2064	शनि	12/01/2073	बुध	09/09/2081	केतु	01/10/2095		00/00/0000
शनि	31/12/2064	बुध	13/06/2074	केतु	05/02/2082	शुक्र	01/10/2098		00/00/0000
बुध	06/11/2065	केतु	12/01/2075	शुक्र	07/04/2083	सूर्य	25/08/2099		00/00/0000
केतु	14/03/2066	शुक्र	12/09/2076	सूर्य	13/08/2083	चंद्र	24/02/2101		00/00/0000
शुक्र	14/03/2067	सूर्य	14/03/2077	चंद्र	13/03/2084	मंगल	15/03/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि ने आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया है। यदि आप वासना के प्रति अपनी मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल महिला बन जाएंगी। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझी जाएंगी तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगी तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखी जाएंगी।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगी।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करती रहोगी। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगी। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगी तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करती हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करती हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करती हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगी। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगी।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगी। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली

नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगी।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकती हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगी। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान की तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पति एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।